First Year Examination of the Three -Year Degree Course, 2001

(Faculty of Humanities)
HINDI SAHITYA

Paper-I
(Prachin Kavya)

Time : 3 Hours
[Maximum Marks :100]

1 .निम्नांकित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) भज मण चरण कंवल अवणासी।
जेताई दीसां धरण गगन मां, तेताई उठ जासी।
तीरथ बरतां ग्याणाँ कथंता, कहा लयां करवत कासी।
यां देही रो गरब णा करणा, माटी मां मिल जासी।
यां संसार चहर राँ बाजी, साँझ पड्.याँ उठ जासी।
कहा भया था भगवा पहर्या, घट तज लयाँ संयासी।
जोगी होयाँ जुगत णाँ जाणा, उलट जणम रा फाँसी।
अरज कराँ अबला कर जोर्याँ स्याम तुम्हारी दासी।
मीराँ रे प्रभु गिरधर नागर, काट्याँ म्हारी गाँसी। **10**

अथवा

संतो भाई आई ग्यान की आँधी ।
भ्रम की टाटी सबै उडानी, माया रहै न बाँधी ।।
हितचित को द्वै थंनो गिरनो, मोह बलिंडा टूटा ।
त्रिस्नां छांनि परी घर ऊपरि, कुबुधि का भांडा फूटा ।।
जोग जुगति करि संतो बांधी, निरचू चुवै न पांणी ।
कूड् कपट काया का निकस्या, हरि की गति जब जांणी ।।
आंधी पीछे जो जल बूठा, प्रेम हरि जन भींना ।
कहे कबीर भान के प्रगटे, उदित भया तम षीनां ।।

(ख) हूं न पतीजउं गोरी थारइ बइणि ।
जां नवि देषउं आपणइ नइणि ।
काल्हा ही उलगाणउ हुइ गम करउं ।
तेंडू बंभण दिन गिणउ आज ।
छोडउं देश सवालषड ।
गोरी कोकि भतीजा म्हे सउंपिस्युउं राज ।। **10**

अथवा

ढाढी, एक सँदेसड्उ ढोलइ लगि लइ जाइ ।
कण पाकउ, करसण हुअउ, भोग लियड घरि आइ ।।
ढाढी, एक सँदेसड्उ ढोलइ लगि लइ जाइ ।
जोबण फट्टि तलावडी, पालि न बंधउ काँइ ।।
पंथी, एक सँदेसडउ, लग ढोलउ पैहचाइ ।
विरह महादव जागियउ, अगिन बुझावउ आइ ।।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

(ग) बड़ सुख-सार पाओल तुअ तीरे ।
छोड़इत निकट नयन वह नीरे ।।
कर जोरि विनमओं विमल तंरगें ।
पुन दरसन होए पुनमति गंगे ।।
एक आपरध छेमब मोर जानी ।
परसल माय पाए तुअ पानी ।।
कि करब जप-तप जोग धेआने ।
जनम कृतारथ एक हि सनाने ।।
भनइ विद्यापति समदओ तोही ।
अन्तकाल जनु बिसरइ मोही ।। **10**

अथवा

वनिता बनी स्यामल गौर के बीच, विलोकहु री सखी! मोहिसी हवै ।
मग जोग न, कोमल, क्यो चलिहै? सकुचात मही पदपंकज छ्वै ।।
तुलसी सुनि ग्रामवधू विथकीं, पुलकीं तन ओ चले लोचन च्वै ।
सब भाँति मनोहर रूप, अनूप है भूप के बालक द्वै ।।

2. तुलसी की समन्वय भवना की सोदाहरण विवेचना कीजिए। **15**

अथवा

''मीरा के काव्य में प्रेम और भक्ति का समन्वय है।'' इस कथन की विवेचना कीजिए।

3. ''कबीर पहले संत और समाज-सुधारक थे, बाद में कवि।'' इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **15**

अथवा

''सूरदास का गोपी-उद्धव संवाद निर्गुण पर सगुण की विजय का शंखनाद है।'' इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4. जायसी के विरह-वर्णन की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए कि नागमति का विरह-वर्णन अत्यंत गंभीर और मार्मिक है। **15**

अथवा

'कैमास-करनाटी-प्रसंग को प्रस्तुत करते हुए उसके काव्य-सौदर्य पर प्रकाश डालिए।

5. (क) भक्ति काल की विभिन्न काव्यधाराओं का वर्णन करते हुए राम भक्ति धारा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **10**

अथवा

प्रेममार्गी काव्यधारा की विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

(ख) निम्नांकित में से किन्ही **एक** पर टिप्पणी लिखिए: **5**

i. रामचरितमानस।

ii. भ्रमरगीतसार।

iii. वीसलदेव रासो।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

6. निम्नांकित में से किन्ही **दो** अलंकारों की परिभाषा एवं उदाहरण दीजिए: **5**

(i) उपमा

(ii)श्लेष

(iii) अनुप्रास

(iv) भ्रांतिमान

(ख) निम्नांकित में से किन्हीं **दो** छंदो के लक्षण एवं उदाहरण दीजिए: **5**

i. सोरठा।

ii. गीतिका।

iii. सवैया।

iv. मंदाक्रांता

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com